श्री ललितभाई मेहता: सभापति महोदय, 55,000 मेगावाट बिजली की आवश्यकता का अनुमान एक टैक्निकल अथॉरिटी लगाती है जबकि आप दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 41,110 मेगावाट बिजली के उत्पादन का लक्ष्य तय करके चल रहे हैं। आज देश में बिजली की बहुत कमी है, सारे राज्यों में कमी है और बिजली के उत्पादन की दृष्टि से हम संसाधनों का पूरा उपयोग भी नहीं कर रहे हैं। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इस क्षमता का पूरा उपयोग न होने का क्या कारण है?

श्री अनन्त गंगाराम गीते: सभापति जी, जो सर्वेक्षण किया गया है, उस सर्वेक्षण के मुताबिक दसवें प्लान के अंदर 55,000 मैगावाट वृद्धि का अनुमान लगाया गया था लेकिन उसके बाद सारे राज्यों के साथ चर्चा हुई और राज्य सरकारों से चर्चा करने के बाद यह जो 55,000 मैगावाट का अनुमान लगाया गया था, वह वास्तव में 46,000 मैगावाट तक आ गया। उसको वास्तविक स्वरूप में लाने के लिए जब प्लानिंग कमीशन से इसके बारे में चर्चा हुई तो जो संसाधन हमारे पास उपलब्ध हैं और जो धन हमारे पास उपलब्ध है, उसे देखते हुए प्लानिंग कमीशन ने 41,000 मैगावाट तक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Withdrawal of subsidy on power consumption by farmers

*24. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Central Electricity Authority has proposed withdrawal of subsidy on power consumption by farmers;

(b) whether it is a fact that the State Government are unable to implement the CEA's proposal as they are facing a lot of resistance from the farmers who are already reeling under drought and other calamities and non-remunerative prices for their agricultural produce; and

(c) if so, the reaction of the Central Government thereto?

THE MINISTER OF POWER (SHRI ANANT GANGARAM GEETE): (a) The Central Electricity Authority (CEA) has neither recommended nor proposed withdrawal of subsidy on power consumption by farmers.

(b) and (c) The question do not arise.